ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में भी होती है प्रतिभा

सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा, शिक्षा में होनी चाहिए समानता

अमर उजाला ब्यूरो

कमलापुर (सीतापुर)। बच्चे समाज की बुनियाद हैं। बचपन सभी बच्चों का एक जैसा होता है। एक जैसी शरारतें करते हैं तो फिर शिक्षा में भी समानता होनी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे अच्छी शिक्षा, बेहतरीन शैक्षिक माहौल के अभाव में पिछड़ जाते हैं, जबकि प्रतिभा ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में भी होती है। शिव नादर फाउंडेशन ने ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की प्रतिभा को निखारने का बीड़ा उठाया। इसके लिए शहर से दूर गंवई इलाके में विद्या ज्ञान स्कूल स्थापित किया। ये बातें सांसद डिंपल यादव ने कहीं। वे यहां स्कूल के तीसरे वार्षिकोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थीं।

उन्होंने कहा कि शिव नादर फाउंडेशन ने इस स्कूल के जरिए ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभावान बच्चों को स्टैंड करने का मौका दिया है। वे बच्चे जिनके पास संसाधनों का अभाव है, यहां बेहतरीन तालीम हासिल कर रहे हैं। बच्चों को सीख देते हुए कहा कि संस्कारवान बच्चे सफल जरूर होते हैं। इसलिए शिक्षकों, अभिभावकों और बड़ों का सम्मान करें। सांसद डिंपल यादव ने विद्या ज्ञान स्कूल पहुंचने के बाद पूरे परिसर का जायजा लिया। उन्होंने पौधरोपण कर बच्चों के बनाए विभिन्न मॉडल भी देखे।

सीतापुर में विद्या ज्ञान स्कूल के वार्षिकोत्सव में मंगलवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं।

रंगारंग प्रस्तुतियों से बच्चों ने बांधा समां

कमलापुर (सीतापुर)। विद्या ज्ञान स्कूल का तीसरा वार्षिकोत्सव मंगलवार को धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सांसद डिंपल यादव ने शिरकत की। रिमझिम फुहारों के बीच सांसद डिंपल दोपहर 2:15 बजे स्कूल पहुंची। शिव नादर फाउंडेशन की ट्रस्टी रोशनी नागर ने गुलदस्ता भेंटकर डिंपल का स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्जवलित कर समारोह का शुभारंभ किया। छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत से कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू किया। बच्चों ने राजस्थानी नृत्य पेश कर समां बांध दिया। नाट्य मंचन 'सब चलता है' के माध्यम से बच्चों ने समाज में अपनी जिम्मेदारियों से भागने वाले व्यक्तियों को झकझोर दिया। 'गांव के बाहर एक सरोवर' गीत पर भी खूब तालियां गूंजी। समारोह में सांसद तेज प्रताप सिंह, जिलाधिकारी लालबिहारी, एडीएम सर्वेश कुमार, पुलिस अधीक्षक राजेश कृष्ण, एसडीएम सिधौली एके श्रीवास्तव, प्रिंसिपल शिकले जॉन डेविड, वॉइस प्रिंसिपल नूतन सिंह आदि मौजूद रहे।

सिर्फ किताबी नहीं प्रायोगिक शिक्षा का भी देते ज्ञान

विद्या ज्ञान स्कूल के प्रिंसिपल शिकले जॉन डेविड ने बताया कि वे 800 बच्चों के फादर हैं। उन्होंने बताया कि वे उनके साथ रहते, खाते और खेलते हैं। हर वक्त बच्चों के सपनों को साकार करने को प्रयास में लगे रहते हैं। कहा इस स्कूल का मकसद यहां पढ़ने वाले बच्चों की उन्नति नहीं बल्कि उनके परिवार व समाज को तरक्की की राह दिखाना है। बच्चा जब छुट्टी में घर जाता है तो अपने चारों ओर के माहौल को प्रभावित करता है। यहां बच्चों को सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं बल्कि प्रायोगिक शिक्षा दी जाती है। इस बार हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में स्कूल का पहला बैच शामिल होगा।